Dainik Vishwamitra

Global standard warning label will boost India's packaged food export

पैकेज़्ड फूड एक्सपोर्ट को बढ़ावा देगा ग्लोबल स्टैंडर्ड

नयी दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अल्ट्रा–प्रोसेस्ड पैकेज़्ड फूड का इस्तेमाल अप्रत्याशित रूप से बढ़ता जा रहा है, इसलिए भारत में विज्ञान आधारित फ्रंट ऑफ पैक लेबलिंग (एफओपीएल) को प्राथमिकता दी जा रही है। इस विषय में आयोजित एक कार्यक्रम में, उद्योग के मुख्य प्रतिनिधियों और फूड निर्माताओं ने बताया कि विश्व की सर्वश्रेष्ठ विधि एफओपीएल से पैकेज़्ड फूड उत्पादों, खासकर जो फूड एमएसएमई यूनिटों द्वारा बनाया जाता है, उसे दुनिया के बाजारों में एक्सपोर्ट किए जाने को काफी बढ़ावा मिलेगा। भारत में अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड एवं बेवरेज के लिए वृद्धि की दर सर्वाधिक है। यह फूड सामग्री अल्ट्रा–प्रोसेस्ड होने के अलावा इसमें काफी ज्यादा मात्रा में एडेड शुगर, साल्ट एवं एडिटिव्स होते हैं। 2006 से 2019 के बीच यूरोमॉनिटर सेल्स डेटा के मुताबिक पैकेज्ड जंक.फूड एवं सॉफ्ट ड्रिंक्स का रिटेल मूल्य भारत में 13 सालों में 42 गुना बढ़ गया। फूड प्रोसेसिंग उद्योग, जिसे भारत सरकार रोजगार निर्माण के लिए मुख्य सेक्टर मानती है, मौजूदा समय में 200 बिलियन डॉलर का है, जो बढ़कर 500 बिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। भारत के 32 प्रतिशत फूड बाजार में 'प्रोसेसिंग उद्योग' का वर्चस्व है, इसलिए स्वादिष्ट एवं लोकप्रिय देसी स्नैक और कन्फेक्शनरी बनाने वाला विशाल एमएसएमई सेक्टर इस वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।